मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20

वर्ष : ०९ अंक :२६ मुंबई, शुक्रवार, ०५ अप्रैल से ११ अप्रैल २०१९ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

गोपाल शेट्टी की रैली में 'मोदी' के हमशक्ल जलवा

बोरिवली से मालाड तक नामांकन से पहले भव्य रोड-शो में हजारों की तादाद में शामिल हुये लोग

दीनानाथ तिवारी

मुंबई : मंगलवार से लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामांकन की प्रक्रिया शुरु हो गई है। नामांकन के पहले ही दिन उत्तर मुंबई लोकसभा क्षेत्र से भाजपा, शिवसेना, आरपीआई के उम्मीदवार गोपाल शेट्टी ने मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। रोड शो की शक्ल में नामांकन भरने निकले शेट्टी के जुलूस में ट्रकनुमा रथ पर सवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हमशक्ल दिख रहे इंसान को देखकर लोग 'मोदी-मोदी' वन्स अगेन मोदी' 'मैं हूं-चौकीदार' जैसे नारे लगाने लगे। मोदी का हमशक्ल लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा था। उसके हावभाव और अभिवादन करने का तरीका प्रधानमंत्री मोदी से मिलता-जुलता था।

सुबह नौ बजे से शुरू हुआ रोड शो करीब ढाई बजे बांद्रा स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर समाप्त हुआ। इस दौरान शेट्टी के साथ भाजपा के कई नेता मौजूद रहे। इनमें शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े, विधायक प्रवीण दरेकर, विधायक अतुल भातखलकर, विधायक मनीषा चौधरी, विधायक योगेश सागर, विधायक विलास पोतनीस, विनोद शेलार और नगरसेवक कमलेश यादव, नगरसेविका सरकला देसाई, नगरसेविका योगिता सुनील कोली, संजय ठाकुर, सुनील कोली, संजय सुतार समेत भाजपा, शिवसेना,आरपीआई के सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। शेट्टी के कार्यालय का दावा है की बोरिवली से मालाड चिंचोली तक भव्य रोड-शो में करीब १५ हजार से अधिक लोग मौजूद थे। नामांकन कार्यक्रम में शेट्टी के साथ आगरी-कोली, मुस्लिम, गुजराती, मराठी, उत्तर भारतीय, कैथलिक और कन्नड़ समुदाय के लोग शामिल हुए। लोग विभिन्न प्रकार के परिधान पहने हुए नजर आएं।

गोपाल शेट्टी को पार्टी में कद्दावर नेता के रुप में जाना जाता है। सांसद के पहले वह विधायक और नगरसेवक भी रह चुके है। कांग्रेस को गोपाल शेट्टी के सामने उम्मीदवार ढूढने में काफी समय लगा। इस बार कांग्रेस ने अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर को उत्तर मुंबई से टिकट दिया है, जो पहली बार राजनिती में उतरी है। इससे पहले गोपल शेट्टी के सामने साल २०१४ के लोकसभा चुनाव में पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम ने चुनाव लड़ा था लेकिन वह हार गए थे।

भाजपा नेता और राज्यपाल राम नाईक ने १९८९ और १९९९ के बीच इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था।वर्तमान में राम नाईक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल हैं। साल २००४ में अभिनेता गोविंदा ने कांग्रेस की टिकट पर राम नाईक को हराया था। इसके बाद गोविंदा २००९ में चुनाव नहीं लड़े, २००९ में इस सीट पर निरूपम को जीत मिली थी।

नेता पुत्रियों का महामुकाबला

मंजु तिवारी

मुंबई: उत्तर मध्य लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का दुर्भाग्य रहा है कि यहां से चुनाव जीतने और हारने वाले दोनों ही चुनाव नतीजे के बाद गायब हो जाते हैं। फोन उठाना तो दूर की बात है। हारने वाली और जीतने वाली दोनों ही नेता पुत्री हैं। एक दूसरे के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरी पूनम महाजन उर्फ पूनम आनंदराव वजेंदला भाजपा के दिवंगत नेता प्रमोद महाजन की बेटी हैं और प्रिया दत्त उर्फ प्रिया ओवन रॉकन अभिनेता से नेता बने सुनील दत्त की बेटी है।

पिछला चुनाव पौने दो लाख वोट के अंतर से हारने के बाद प्रिया राजनीतिक कोमा में चली गईं थी, और चर्चा में तब आईं जब उन्होंने मुंबई कांग्रेस में गुटबाजी का कारण बताकर २०१९ का लोकसभा चुनाव लड़ने से ही मना कर दिया।

प्रिया को मनाने में कांग्रेस हाईकमान सफल रहा। अब वे फिर से चुनाव मैदान में हैं, लेकिन चुनाव क्षेत्र से लगातार गायब रहने वाली प्रिया से मतदाताओं के साथ-साथ उनकी पार्टी के कार्यकर्ता भी नाराज हैं। मोदी लहर में पिछला चुनाव जीतने वाली पूनम महाजन की कहानी भी प्रिया के जैसी ही है। जीत के बाद पूनम मतदाताओं की पहुंच से दूर हो गईं। प्रिया की तरह यह नेता पुत्री भी फोन नहीं उठाती। इनके प्रति यह आम धारणा बन गई है। यह बात भाजपा के वे लोग ही कहते हैं जिन्होंने पूनम को जिताने के लिए रात-दिन एक कर दिया था। अब उनके साथ पूनम के अच्छे रिश्ते नहीं रहे। आम शिवसैनिकों के साथ भी इनके रिश्ते अच्छे नहीं है।

मतदान क्षेत्र का इतिहास

स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई के बाद से इस निर्वाचन क्षेत्र का इतिहास है। शरद दिघे, नारायण आठवले, रामदास आठवले, मनोहर जोशी, एकनाथ गायकवाड, प्रिया दत्त जैसे नेताओं ने इस सीट का प्रतिनिधित्व किया है। निर्वाचन क्षेत्र के पश्चिमी छोर बांद्रा में बैंडस्टैंड है और पूर्व में कालीना चेंबूर तक का इलाका आता है। मुंबई एयरपोर्ट से विकास से संबंधित प्रभावित झोपड़ावासी, हवाई जहाजों के उड़ानों के कारण इमारतों की ऊंचाई बढ़ाने पर लगी रोक, सीआरजेड, जुहू एयरपोर्ट के विकास का मसला, बुलेट ट्रेन और मेट्रो रेल, मीठी नदी का प्रदूषण जैसे अन्य मुद्दे हैं। झोपड़ों के विकास का बहुत बड़ा मुद्दा सामने हैं, पर कोई विकास साक्षात नहीं है। कागजों पर डिवेलपमेंट तेजी से हो रहा है। बीकेसी का विकास तेजी से हुआ, लेकिन रीचेबल नहीं बनाया जा सका। कुर्ला और बांद्रा रेलवे स्टेशन से बीकेसी तक आने-जाने के लिए रोज आम जनता को लड़ाई लड़ना पड़ता है। कालीना यूनिवर्सिटी आने जाने वाले छात्रों को भी रोज यही झेलना पड़ता है। पहले कांग्रसे की प्रिया दत्त ने ध्यान नहीं दिया तो वही पूजन महाजन ने भी आंखे बंद कर ली है। तंग आ गए लोग कहते हैं ऐसा जनप्रतिनिधि कब आएगा जब उनकी रोजमर्रा की समस्याओं पर ध्यान देगा।

९० हजार मतदाता कम हुए

इस साल निर्वाचन क्षेत्र में ९० हजार ७०८ मतदाता कम हुए। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार ३१ जनवरी तक राज्य में कुल १६ लाख ४७ हजार ६३९ वोटर रजिस्टर्ड है जबकि सन २०१४ के लोकसभा चुनाव में इस निर्वाचन क्षेत्र में १७ लाख ३८ हजार ३४७ वोटर हैं। अब सवाल उठाए जार हैं कि आखिर किस राजनीतिक दल के मतदाताओं की संख्या कम हुई है।

उत्तर भारतीय समाज के हितों के लिए शिवसेना हमेशा लड़ती रहेगी - गजानन कीर्तिक

पूजा पाण्डेय

मुंबई : पहली बार मुंबई में हुए मराठी व उत्तर भारतीय समाज के संयुक्त स्नेह सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर-पश्चिम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के शिवसेना सांसद गजानन कीर्तिकर ने कहा कि शिवसेना सदैव उत्तर भारतीय समाज के हितों के लिए अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का पूर्ण निर्वाह करती रहेगी और कमजोर व असहायों की मदद के लिए सदैव अग्रसर रहेगी। कीर्तिकर ने कार्यक्रम के आयोजक व शिवसेना संगठक कमलेश राय की प्रशंसा करते हुए विश्वास दिलाया कि मैं शिवसैनिकों के साथ उत्तर भारतीय समाज को बड़े पैमाने पर एकजुट करूंगा। उन्होंने कहा कि सबके साथ-साथ सबका विकास ही शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे का मूल उद्देश्य है।

इस दौरान विभागप्रमुख एड. अनिल परब ने कहा कि मराठी व उत्तर भारतीय समाज का संयुक्त महास्नेह सम्मेलन निश्चित तौर पर अंधेरी में एक यादगार बन गया और शिवसेना हमेशा की तरह हर मुद्दे पर उत्तर भारतीय समाज के मान, सम्मान व सुरक्षा के प्रति पूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी और उनके सुख-दुख में हमेशा साथ देगी। शिवसेना संगठक बनाए जाने पर कार्यक्रम के आयोजक कमलेश राय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संयुक्त स्नेह सम्मेलन का हमारा एकमात्र उद्देश्य था कि मराठी और उत्तर भारतीय समाज निडर व निर्भीक होकर एक-दूसरे का पूरक बनें। राय ने आगे कहा कि शिवसेना ही एक ऐसी पार्टी है, जो बिना भेदभाव समाज के हर वर्ग के लोगों की भलाई की लड़ाई लड़ती आई है और आगे भी लड़ती रहेगी। कार्यक्रम में सुरसंग्राम के विजेता लोकगायक मोहन राठौड और मराठी गायकों द्वारा भोजपुरी, हिंदी व मराठी गीतों की मनमोहक प्रस्तुति की गई। स्नेह सम्मेलन का आयोजन अंधेरी-पूर्व के एमआईडीसी के सुभाष नगर में रविवार शाम अंधेरी विकास मंच द्वारा आयोजित किया गया था।

आर पार की लड़ाई के मूड में. मुंबई यूथ कांग्रेस महासचिव - जिसान बाबा सिद्दीकी

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : लोकसभा चुनाव २०१९ का बिगुल बज चुका है सारी पार्टियां अपने-अपने प्रत्याशियों को जिताने में लग गई है वहीं मुंबई यूथ कांग्रेस के कद्दावर नेता मुंबई यूथ कांग्रेस के महासचिव जीशान बाबा सिद्ध की ने अपने लोकसभा प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी तरह से कमरकस मैदान में उतर आए हैं इसी का नतीजा कि कल अपने हजारों समर्थकों को लेकर उत्तर-पश्चिम लोकसभा के उम्मीदवार पूर्व मुंबई प्रदेश अध्यक्ष संजय निरुपम से मुलाकात कर उनको हरसंभव यूथ कांग्रेस से मदद देने का आश्वासन देते हुए कंधे से कंधा मिलाकर भारी मतों से विजई बनाने का आश्वासन दिया और अपने हजारों समर्थकों के साथ संजय निरुपम से उनके लोखंडवाला शास्त्री नगर आवास पर मुलाकात कर उनको संजय निरुपम के लिए जी जान से रात दिन एक करने का संकल्प दिलवाया इस मौके पर जिसान बाबा सिद्दीकी पूर्व यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोबीन पठान जिला महासचिव प्रतीश तिवारी जिला उपाध्यक्ष राय साहब सरोज जिला यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष अमित सकपाल..

प्रियंका सानप गोरेगांव युवक कांग्रेस के तालुका अध्यक्ष मनोज यादव. फैजल कुरेशी रेनू यादव मुन्ना पाल सरफराज शेख डेनियल फेमीदा खान मोहसिन रजा राजेश यादव आजम रिजवी के साथ साथ भारी संख्या में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता इस मौके पर उपस्थित थे.

उत्तर मध्य जिला युवक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धीरज सिंह ने प्रिया दत्त के जीत के लिए बजाया बिगुल

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : लोकसभा चुनाव २०१९ का बिगुल बज चुका है सारी पार्टियां अपने-अपने प्रत्याशियों को जिताने में लग गई है वहीं मुंबई यूथ कांग्रेस के कद्दावर नेता मुंबई यूथ कांग्रेस के महासचिव जीशान बाबा सिद्ध की ने अपने लोकसभा प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी तरह से कमरकस मैदान में उतर आए हैं इसी का नतीजा कि कल अपने हजारों समर्थकों को लेकर उत्तर-पश्चिम लोकसभा के उम्मीदवार पूर्व मुंबई प्रदेश अध्यक्ष संजय निरुपम से मुलाकात कर उनको हरसंभव यूथ कांग्रेस से मदद देने का आश्वासन देते हुए कंधे से कंधा मिलाकर भारी मतों से विजई बनाने का आश्वासन दिया और अपने हजारों समर्थकों के साथ संजय निरुपम से उनके लोखंडवाला शास्त्री नगर आवास पर मुलाकात कर सभी नौजवानों को संजय निरुपम के लिए जी जान से रात दिन एक करने का संकल्प दिलवाया इस मौके पर जिसान बाबा सिद्दीकी पूर्व यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोबीन पठान जिला महासचिव प्रतीश तिवारी जिला उपाध्यक्ष राय साहब सरोज जिला यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष अमित सकपाल.. प्रियंका सानप गोरेगांव युवक कांग्रेस के तालुका अध्यक्ष मनोज यादव. फैजल कुरेशी रेनू यादव मुन्ना पाल सरफराज शेख डेनियल फेमीदा खान मोहसिन रजा राजेश यादव आजम रिजवी के साथ साथ भारी संख्या में युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता इस मौके पर उपस्थित थे.

उत्तर मध्य युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धीरज जयप्रकाश सिंह ने कल विलेपार्ले कुर्ला कालीना के कई इलाकों में अपने समर्थकों के साथ कई जगह जगह पर जनता दरबार का शानदार कार्यक्रम किया इस मौके पर प्रिया दत्त भी उपस्थित थे धीरज सिंह ने आम नागरिकों से शांति दूत स्वर्गीय श्री सुनील दत्त जी की पुत्री पूर्व सांसद प्रिया दत्त जी को २०१९ के चुनाव में भारी मतों से जीता कर संसद भेजने का आवाहन किया.

इस मौके पर धीरज सिंह के साथ में सैकड़ों की संख्या में युवक कांग्रेस कार्यकर्ता कंधे से कंधे मिलाकर प्रिया दत्त के पीछे खड़े थे धीरज सिंह ने युवक कांग्रेस के नौजवानों से प्रिया दत्त को जिताने के लिए ईट से ईट बजा कर प्रिया दत्त जी को लोकसभा भेजने का सभी नौजवानों से आवाहन किया इस मौके पर पारला के युवा नेता राहुल गुप्ता रोहन राय जितेंद्र सिंह . पारला के वरिष्ठ नेता नरेंद्र हिरानी के साथ साथ भारी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता आम नागरिक उपस्थित थे इस मौके पर प्रिया दत्त ने सभी से हाथ जोड़कर २९ तारीख के होने वाले लोकसभा के मतदान में सोच समझकर मतदान करने का नागरिकों से आवाहन किया और अपने लिए लोगों से आशीर्वाद का काम ना किया.

संपादकीय

चुनाव में नकली नोट

नोट के बदले वोट देनेवाले मतदाता सावधान हो जाएं। यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक बड़े पैमाने पर नकली नोटों का कारोबार शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल से नकली नोटों को

लाकर मुंब्रा में खपाने की साजिश का भंडाफोड़ हो गया है। इस संबंध में पुलिस ने यूपी के दो नकली नोटों के सौदागरों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से १५ लाख ७६ हजार मूल्य के २००० के ७८८ नोट बरामद किए हैं।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों के मद्देनजर बड़े पैमाने पर नकली नोटों को खपाने की साजिश रची गई है। एक सूचना के आधार पर मुंब्रा पुलिस ने शनिवार की सुबह करीब साढ़े चार बजे मुंब्रा के दारुल फलाह मस्जिद के बगल स्थित हबीबा मंजिल के एक फ्लैट में छापेमारी की। फ्लैट में मौजूद यूपी के बिजनौर जिले के जौन कुमार छुन्नू लाल (४१) और दिलशाद शमसुद्दीन (२६) तथा हबीबा मंजिल निवासी जावेद अहमद शरीफ अहमद अंसारी (३०) को हिरासत में लिया। तलाशी में जौन कुमार के पास रखे एक बैग से २००० नोटों के ६ बंडल बरामद किए गए थे। बंडल में २००० के कुल ७८८ नोट थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को ५ अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक जौन कुमार तथा दिलशाद पश्चिम बंगाल से साढ़े तीन लाख की असली नोटों के बदले १५ लाख ७६ हजार के नकली नोट लेकर आए थे। स्थानीय निवासी जावेद की मदद से बरामद नकली नोटों को मुंब्रा सहित महाराष्ट्र के अन्य जगहों पर चुनावों के दौरान चलाने की योजना थी। यूपी के बिजनौर से उक्त दोनों आरोपियों के तार सक्रिय कई नकली नोटों के सौदागरों से जुड़े हैं। पुलिस पूछताछ में यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक फैले गिरोहों के कई सदस्यों के नामों का भंडाफोड़ होने की संभावना है।

टिकटों की काला बाजारी..गम्भीर समस्या से जूझ रही आम जनता

- डॉ. अर्चना दूबे

जैसा कि आप जानते है कि भारत की आर्थिक राजधानी मायानगरी मुम्बई है, जहां हर एक देश के कोने – कोने से रोजगार को लेकर लोगो का आना जाना लगा हुआ है । पर आज वही शहर यातायात की इस गम्भीर समस्या से जकड़ा हुआ है । मुम्बई से गांव तक का सफर आये दिन मुश्किल होता जा रहा है । सेंट्रल रेलवे के क्षत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटी) और लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से प्रति दिन लगभग २०५ ट्रेन देश के अलग – अलग राज्यों के लिए छोड़ी जाती है, जिनमे लगभग १७०००० यात्री आये दिन सफर कर रहे है । जिनमें ८४ गाड़ियां लगभग उत्तर भारत के लिए जाती है, जिसमे बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के लोग सफर करते है । लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां यह है कि उत्तर भारत जाने के लिए एक भी गाड़ी में आरक्षण नहीं मिल पा रहा है । इसका कारण कुछ और नहीं बल्कि टिकटों की कालाबाजारी है । जो कि दलालों के जरिये ये कालाबाजारी बहुत ही धड?ल्ले से हो रही है । या यू कह लिजिए कि दलालो? के कारण यात्रियों को टिकट लेने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है । स्थिति यह है कि गर्मी की छुट्टीयों में हालात इतने बुरे हो जाते है कि ४ – ४दिन टिकट खिड़की पर लाइन लगाने के बाद भी पहला नम्बर आने पर कंफर्म टिकट नहीं मिल पा रहा है । चाहेकोई भी सीजन होगर्मी,होली, दीवाली किसी भी समय यात्रियों को किसी भी गाड़ी का आरक्षित टिकट नहीं मिल पाता है । इसी कारण गांव आने – जाने में परदेशियों को बहुत किल्लत सहनी पड़ती है । सीजन के समय आरक्षित डिब्बे की हालत चालू डिब्बे जैसी हो जाती है। वेटिंग टिकट लेकर लोग मजबूर होकर दलाल से ही एक का पांच देकर टिकट खरीदे या परीवार के साथ धक्का – मुक्की खाते हुए कष्टदाई यात्रा करें । जबकि ११०००० यात्री लगभग चालू की टिकट पर यात्रा करते है, ६०००० यात्री ही लगभग आरक्षण पाने में सफल हो पाते है और कितने लोग तो बिना टिकट के ही चढ़ लेते है टीटी के आने पर गाड़ी में ही अदर चार्ज देकर टिकट बनवा लेते है और कुछ ज्यादा पैसा देने पर उनको सीट भी मुहैया करा दी जाती है। ऐसी हालात काभी यात्रियों को सामना करना पड़ रहा है । क्या इन सबमें रेलवे कर्मचारी का हाथ नहीं है ? ऊपरी धन कमाने के चक्कर में दलाल के साथ मिले हुए है, जिसके चलते टिकट की कालाबाजारी 'दिन दूने रात चौगुने' के रफ्तार में चल रही हैं । दलाल जरूरत मंद इंसान से ६०० रू. का टिकट २०००रू. तक बेच रहे है, कितनी आसानी से सेटिंग के जरिये आराम से कमाई किया जा रहा है । ऐसे में दलालों को इसमे भरपूर फायदा ही फायदा नजर आ रहा है । केवल सीजन में वे इसके जरिये मोटी रकम वसुल लेते है । हालात में यात्रा करना कितना कष्टदायी है ।

दलालों का कहर इस कदर बढ़ते जा रहा है कि आम आदमी बिचारे लाइन में खड़े होकर अपने नम्बर आने का प्रतीक्षा करते है और टिकट खिड़की खुलते ही रिजर्वेशन फूल हो जाता है । लोग मजबूर होकर दलाल से ही एक का पांच देकर टिकट खरीदे या परीवार के साथ धक्का – मुक्की खाते हुए कष्टदाई यात्रा करें । जबकि ११०००० यात्री लगभग चालू की टिकट पर यात्रा करते है, ६०००० यात्री ही लगभग आरक्षण पाने में सफल हो पाते है और कितने लोग तो बिना टिकट के ही चढ़ लेते है टीटी के आने पर गाड़ी में ही अदर चार्ज देकर टिकट बनवा लेते है और कुछ ज्यादा पैसा देने पर उनको सीट भी मुहैया करा दी जाती है। ऐसी हालात काभी यात्रियों को सामना करना पड़ रहा है । क्या इन सबमें रेलवे कर्मचारी का हाथ नहीं है ? ऊपरी धन कमाने के चक्कर में दलाल के साथ मिले हुए है, जिसके चलते टिकट की कालाबाजारी 'दिन दूने रात चौगुने' के रफ्तार में चल रही हैं । दलाल जरूरत मंद इंसान से ६०० रू. का टिकट २०००रू. तक बेच रहे है, कितनी आसानी से सेटिंग के जरिये आराम से कमाई किया जा रहा है । ऐसे में दलालों को इसमे भरपूर फायदा ही फायदा नजर आ रहा है । केवल सीजन में वे इसके जरिये मोटी रकम वसुल लेते है । आरक्षण केंद्र पर दलालों की सक्रियता से यात्रीयो को परेशानी उठानी पड़ रही है । टूर आपरेटर व दलाल सांठ – गांठ कर टिकट खिड़की पर एक साथ कई फार्म लेकर टिकट कटाने लगते है । कई दलालो की सांठ – गांठ इतनी गहरी है कि अंदर ही अंदर उनका टिकट कट जाता है और आम लोग लाइन में खड़े ही रहते है । सरकार को इसके लिए कड़े कदम उठाने चाहिए । जिससे इन दलालों को नाकाम होना पड़े । यात्रियों को टिकट लेने मेंसुविधा मिल सके ।

दहेज के लिये बहू को रखते थे भूखा, पुलिस ने पति और सास को किया गिरफ्तार

कोल्लम : भारत में वैसे तो दहेज लेना अपराध है, लेकिन अभी भी देश में लोग इस परंपरा से उबर नहीं पाए हैं. आज भी शादी विवाह में दहेज के लेन-देन की परंपरा चली आ रही है, जिसकी खामियाजा महिलाएं भुगतती हैं. कुछ ऐसा ही मामला केरल के कोल्लम से आई, जब कथित रूप से दहेज की मांग को लेकर एक २७ वर्षीय महिला को उसके ही पति और सास ने कई दिनों तक भूखा रखा, जिसके बाद उस महिला की मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों के बीच आक्रोश उत्पन्न हो गया. पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और पड़ोसियों के हवाले से कहा कि कोल्लम के नजदीक करुनागापल्ली निवासी तुषारा को कई दिन तक उचित भोजन नहीं दिया गया. वह महिला भीगे चावल और चीनी के घोल पर ही जी रही थी. जिससे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन उसने यहां सरकारी अस्पताल में दम तोड़ दिया. पुलिस के मुताबिक २१ मार्च की मध्यरात्रि में बीमारी और बेचैनी के चलते उसने दम

तोड़ दिया. उस समय उसका वजन सिर्फ २० किलोग्राम बताया जा रहा था. पुलिस ने कहा कि तुषारा के पति चंदूलाल और सास गीतालाल को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में उन्हें रिमांड में भेज दिया गया. पुलिस जांच के खुलासे में महिला के साथ उत्पीड़न का मामला सामने आया जिसके बाद उस महिला की मौत हो गई. पुलिस के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि वह महिला हड्डियों का ढांचा दिखाई दे रही थी और उसके शरीर पर मांस बहुत ही कम नजर आ रहे थे. उसका वजन महज २० किलोग्राम था. एक विस्तृत जांच में क्रूरता सामने आई है. महिला के संबंधियों ने आरोप लगाया कि उसका उत्पीड़न अधिक दहेज मांग को लेकर किया गया है.

तुषारा की मां विजयलक्ष्मी ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के ससुराल वाले बीते पांच साल से उसे प्रताड़ित कर रहे थे और एक वर्ष तक परिवार वालों को उससे मिलने नहीं दिया गया. चंदूलाल के एक पड़ोसी ने कहा कि तुषारा को उसका पति और ससुराल वाले कथित तौर पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे. महिला का पति वेल्डिंग के काम करने के अलावा छोटे-मोटे काम करता है. उनकी शादी २०१३ में हुई थी. शादी के समय पर महिला के परिवार ने लड़के के परिवार को सोने के कुछ गहने और पैसे दिये थे और दो लाख रुपये बाद में देने का वादा किया था. पुलिस ने कहा कि महिला के दो बच्चे हैं. छोटा बच्चा डेढ़ साल का है और दूसरे बच्चे की उम्र तीन साल है. बता दें कि दहेज प्रथा को भारतीय समाज में सबसे बड़ा सामाजिक कलंक माना जाता है. दहेज जैसी कुप्रथा न केवल समाज बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के विकास के मार्ग में अवरोधक है.

TikTok पर तमंचा लहराकर बनाते थे वीडियो, पुलिस ने किया गिरफ्तार

दिल्ली : सोशल मीडिया के जरिए कुछ लोगों को लोकप्रिय होने की जैसे होड़ मची हुई है और इसी वजह से कुछ लोग फेमस होने के चक्कर मे सोशल मीडिया पर गलत काम करने से ही बाज नहीं आते हैं. यही कारण है कि कभी कभी उनकी ये हरकतें, उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा देती है. ऐसा ही एक मामला, दिल्ली के द्वारका इलाके का है, जहां टिकटॉक पर तमंचा लहराते हुए वीडियो बनाना दो युवकों को महंगा पड़ गया और पुलिस ने उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचा दिया.

दरअसल एक ऐप टिकटॉक पर मशहूर होने के लिए खुद को हनी सिंह के फैन बताने वाले सलीम उर्फ शहजादा ने तमंचा लहराते हुए वीडियो बनाया और टिकटॉक पर डाल दिया. जिसके बाद द्वारका पुलिस के स्पेशल टीम ने उसे और उसके दोस्त दोनों को गिरफ्तार कर हवालात पहुंचा दिया. द्वारका के एडिशनल डीसीपी आर पी मीना ने बताया कि ये जुर्म की दुनिया में फेमस होने के लिए और अपनी पहचान बनाने के लिए सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ वीडियो पोस्ट कर रहे थे. ये दोनों क्रिमिनल्स सोशल साइट टिकटॉक पर अवैध हथियारों के साथ वीडियो डालते

थे और यो यो हनी सिंह के गानो पर हथियार लहराते हुए डांस का वीडियो भी डालते थे. पकड़े गए आरोपियों के नाम शहजादा और मोनू है. इनके पास से एक पिस्टल और ज़िंदा कारतूस के साथ एक देसी कट्टा भी बरामद किया गया है. पुलिस ने बताया कि ये दोनों उत्तम नगर इलाके के गौरी गैंग के मैम्बर थे और सोशल मीडिया पर अपने गैंग को फेमस कर रहे थे, ताकि यंग क्रिमिनल्स इन्हें ज्वाइन करें और ये गैंग के लीडर बन सकें. पुलिस के मुताबिक, उत्तम नगर में रहने वाला शहजादा पिछले साल एक चोरी के मामले में गिरफ्तार हो चुका है. विकासपुरी में रहने वाला उसका दोस्त मोनू उर्फ आकाश भी वीडियो में उसके साथ था. दसवीं पास शहजादा अच्छे कपड़े पहनने, महंगी शराब और सिगरेट का शौकीन है.

दरअसल शाहजादा, हनी सिंह के गानों पर टिकटॉक बनाकर सोशल मीडिया पर डालता था. उसे पता था कि आजकल ऐसे ऐप चल रहे हैं तो इन पर आकर वह कम समय में इलाके में अपनी धाक जमा सकता है. ताजा वीडियो में उसने पिस्टल लहराकर वीडियो बनाया. उसके ऐसे वीडियो पर लाइक भी आ रहे थे. इसलिए उसे इसका चस्का लग गया. लेकिन तभी यह वीडियो पुलिस के हाथ लग गया और ये दोनों पुलिस गिरफ्त में आ गए.

सिरफिरे युवक ने मां-बेटी को चाकू से गोदा, मां की मौत, बेटी की हालत गंभीर

दिल्ली : दिल्ली से सटे फरीदाबाद में एक सिरफिरे युवक ने घर में घुस कर सो रहीं मां-बेटी पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. उस वक्त दोनों घर में अकेले थीं. इस हमले में मां की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई. इसके चलते उसे फरीदाबाद सिविल अस्पताल से गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल भेज दिया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है. दरअसल, शुक्रवार देर रात फरीदाबाद के भुपानी थाना इलाके में तकरीबन १:३० बजे हमलावर ने इस घटना को अंजाम दिया. जिस वक्त यह घटना हुई महिला और उसकी बेटी, दोनों अकेले अपने घर में सो रहीं थीं, तभी हमलावर ने उनपर हमला कर दिया. बताया जा रहा है कि घटना के समय महिला का बेटा दिल्ली में ड्यूटी पर गया था और उसका पति जयपुर में काम करता है. मृतक महिला के भाई के मुताबिक रात डेढ़ बजे मृतक महिला की बहन का बेटा घर पर आया था और उसे भी इस हमले में चोटें आई हैं. घरवालों को शक है कि उसने ही घटना को अंजाम दिया है. जिसके बाद पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है. इस मामले में फरीदाबाद पुलिस पीआरओ ने बताया कि देर रात संबंधित थाना क्षेत्र के एसएचओ को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी. जिसके बाद वह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया गया. जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया और लड़की की हालत गंभीर देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए रेफर कर दिया. पुलिस अब तक लड़की का बयान नहीं ले पाई है.

पुलिस को लड़की के ठीक होने का इंतजार है जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है.

मुंबई के प्रमुख BJP नेता किरीट सोमैया का टिकट कटा, शिवसेना ने जताई थी आपत्ति

मुंबई : भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपनी १६वीं लिस्ट जारी कर दी है. मुंबई नॉर्थ ईस्ट से बीजेपी के मौजूदा सांसद और शहर में पार्टी के प्रमुख नेता किरीट सोमैया का टिकट काट दिया गया है. किरीट सोमैया की जगह पर मनोज कोटक को टिकट दिया गया है. बताया जा रहा है कि मुंबई नॉर्थ ईस्ट सीट पर सोमैया को टिकट दिये जाने को लेकर शिवसेना ने कड़ी आपत्ति दर्ज की थी. किरीट का टिकट काटने के फैसले को शिवसेना को मनाए रखने की बीजेपी की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है. वरिष्ठ बीजेपी नेता और संसद में आर्थिक मुद्दों के प्रखर वक्ता सोमैया को शिवसेना के कट्टर विरोधी के तौर पर देखा जाता है. शिवसेना नेता सुनील राउत ने कुछ वक्त पहले कहा था, 'सोमैया अपने लोकसभा क्षेत्र के लोगों से मिलते नहीं है. हम मातोश्री (ठाकरे का निवास) को मंदिर की तरह देखते हैं. अगर वह मातोश्री के खिलाफ बात करेंगे या ठाकरे को माफिया डॉन बुलाएंगे तो किसी को उन्हें टिकट दिलवाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए.' बता दें कि इससे पहले बीजेपी लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे वरिष्ठ नेताओं का टिकट काट चुकी है.

मुजफ्फरपुर शेल्टर होम केसः सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप तय, ३ से शुरू होगा ट्रायल

दिल्ली : दिल्ली की साकेत कोर्ट ने बिहार के बहुचर्चित मुजफ्फपुर शेल्टर होम कांड मामले के सभी आरोपियों के खिलाफ चार्ज फ्रेम कर दिए हैं. अब ३ अप्रैल से मामले में ट्रायल शुरू हो जाएगा. इस मामले में २१ लोगों को आरोपी बनाया गया है.

सभी आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट और भारतीय दंड संहिता (IPC) की विभिन्न धाराओं के तहत ट्रायल चलाया जाएगा. अतिरिक्त सेसन जज सौरभ कुलश्रेष्ठ ने २१ आरोपियों पर मुकदमा चलाने का आदेश देते हुए कहा कि प्रथम दृष्टया इनके खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं. इस मामले में मुख्य आरोपी ब्रजेश ठाकुर और शेल्टर होम के उसके कर्मचारी के अलावा बिहार के सामाजिक कल्याण विभाग के अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है. इन पर आपराधिक साजिश, ड्यूटी में लापरवाही और लड़कियों पर हमले की रिपोर्ट करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया है.

इसके अलावा जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत अपने अधिकार में बच्चियों के साथ क्रूरता के आरोप में भी केस चलेगा. अतिरिक्त सेसन जज सौरभ कुलश्रेष्ठ ने आदेश दिया है कि इस मामले में ३ अप्रैल से ट्रायल शुरू होगा.

पालघर में फिर आए भूकंप के झटके

पालघर, मुंबई से सटे पालघर जिले के डहाणू व तलासरी क्षेत्र के लोगों की इन दिनों नींद हराम है। जिले में रविवार शाम ५:५३ बजे भूकंप के हल्के-फुल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इस भूकंप की तीव्रता ३.२ मापी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप डहाणू के आस-पास के क्षेत्रों में भी महसूस किया गया है। हालांकि भूकंप की इस घटना के बाद अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पिछ्ले साल ११ नवंबर से अब तक डहाणू व तलासरी इलाके में कई बार भूकंप आ चुका है।भूकंप के हल्के झटके महसूस किए जा रहे है। रिक्टर स्केल पर यह झटके बहुत चिंताजनक तो नही थे, लेकिन लोग डर कर घर के बाहर सो रहे है।

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर,इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो.
९८२१२८७९०५,
९३२२२४८३५३-
९१६७००९६२९
Email :

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP
5 Year - 1000 Life time - 3000
Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। संपादक - दीनानाथ एम. तिवारी, **कार्यकारी संपादक-** कर्ण हिन्दुस्तानी, **उपसंपादक-** शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल **संरक्षक-** वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - **चीफ एड डिपार्टमेन्ट-** निलेश पांडे **वितरक-**सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)
उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, **संपर्क : टेलीफैक्स** 022-29656280,
मो. 9821287905,9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

रवि पुजारी मुंबई में ऑटो चलाता था, अमेरिका में बन गया डॉन

महेश भट्ट केस में क्राइम ब्रांच ने ली कस्टडी

मुंबई: जिस गैंगस्टर उबेद रेडियोवाला को मंगलवार रात अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया, वह मुंबई में दो दशक पहले रिक्शा चलाता था। डीसीपी दिलीप सावंत ने एनबीटी को बताया कि हमने दिल्ली एयरपोर्ट पर उसकी कस्टडी ली। बुधवार को उसे महेश भट्ट केस में मकोका कोर्ट में पेश किया गया। चूंकि इस केस में बाद में मकोका हटा दिया गया था, इसलिए मकोका कोर्ट ने उसे लोअर कोर्ट में पेश करने को कहा। इसीलिए किला कोर्ट में उसे लाया गया। किला कोर्ट में चूंकि मकोका कोर्ट का आदेश बुधवार को आया नहीं था, इसलिए किला कोर्ट ने उसे अभी एक दिन की ही क्राइम ब्रांच कस्टडी में भेजने का आदेश दिया।

उबेद रेडियोवाला पर साल २०१४ में मुंबई में फिल्म फायनेंसर अली मोरानी के जुहू स्थित बंगले के बाहर गोलीबारी करवाने का आरोप है। उसी दौरान उसने रवि पुजारी के कहने पर फिल्म निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट की खार में हत्या की भी साजिश रचवाई थी। पांच साल पहले यह दोनों केस डिटेक्ट करने वाले इंस्पेक्टर जगदीश साइल ने बुधवार को एनबीटी को बताया कि उबेद, डॉन रवि पुजारी का मैनेजर और फ्रंटमैन था। अली मोरानी के यहां गोलीबारी करवाने के बावजूद जब वह केस मीडिया में किसी को नहीं पता चला, तो पुजारी ने खुद दिल्ली

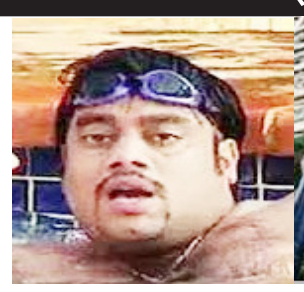

में एक टीवी चैनल के पत्रकार को फोन किया था और इस वारदात की जानकारी दी थी। बाद में पुजारी ने उबेद रेडियोवाला को फोन किया और महेश भट्ट की हत्या करवाने का आदेश दिया। रवि पुजारी का मानना था कि ऐसा करके उसका बॉलिवुड में टेरर हो जाएगा और फिर वह आसानी से बॉलिवुड हस्तियों से उगाही कर सकेगा। जगदीश साइल की टीम ने कुछ दिनों बाद दोनों ही केसों में करीब एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया था। महेश भट्ट केस में मकोका कोर्ट ने कुल १० आरोपियों को पांच-पांच साल की सजा सुनाई थी। इनमें एक अनीस रेडियोवाला भी था। अनीस मंगलवार को अमेरिका से लाए गए उबेद रेडियोवाला का सगा भाई है।

दो साल से अमेरिका में बंद था

पांच साल पहले अनीस रेडियोवाला की गिरफ्तारी के बाद जब उससे पूछताछ में उसके भाई उबेद का नाम सामने आया, तो उसके बाद उसे अमेरिका से भारत लाने की कोशिशें शुरू हो गईं। मुंबई क्राइम ब्रांच के दिए सबूतों पर उसे अमेरिका के ICE (इमिग्रेशन, कस्टम और इन्फोर्समेंट) डिपार्टमेंट ने सितंबर, २०१७ में वहां गिरफ्तार किया गया। इसके बाद मंगलवार को उसे अमेरिका से फ्लाइट में बैठा दिया गया और फिर दिल्ली एयरपोर्ट पर मुंबई क्राइम ब्रांच के सीनियर इंस्पेक्टर अजय सावंत, कोइल और काजी नामक अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। इन तीनों से पूछताछ में उबेद ने बताया कि उसकी रवि पुजारी से १९९९ में मुंबई में दोस्ती हुई थी। उन दिनों वह मुंबई में ऑटो रिक्शा चलाता था। बाद में उसने रेबिटवाला सर नेम से अपना फर्जी पासपोर्ट बनवाया और अमेरिका चला गया। अब उस पर फर्जी पासपोर्ट का भी मुकदमा भी चलेगा। अमेरिका में वह मॉल में पार्ट टाइम नौकरी करता था, पर हकीकत में वह रवि पुजारी के मैनेजर के तौर पर वहां काम करता था। उबेद को भारत लाए जाने के बाद अब रवि पुजारी को भारत लाने की कोशिशें चल रही हैं। पुजारी को २२ जनवरी को सेनेगल में गिरफ्तार किया गया था।

प्रकाश मेहता और मनोज कोटक रेस में

मुंबई: शिवसेना के विरोध को देखते हुए भाजपा उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा चुनाव क्षेत्र के सांसद किरीट सोमैया को घर बैठा सकती है। मंगलवार को घाटकोपर पूर्व के विधायक व गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता और मुलुंड से भाजपा के नगरसेवक व बीएमसी में पार्टी के ग्रुप लीडर मनोज कोटक के नाम की खूब चर्चा उड़ी।

सोमैया के नाम की घोषणा नहीं किए जाने से पार्टी के कार्यकर्ताओं को विश्वास हो चला है कि सोमैया उम्मीदवार नहीं होंगे, दूसरी ओर सोमैया अपना चुनाव प्रचार जोरों से कर रहे हैं। उन्हें विश्वास है पार्टी उन्हें फिर से अवसर देगी।

मुंबई व आसपास की सीटों पर होने वाली चुनाव की अधिसूचना चुनाव आयोग ने मंगलवार को जारी कर दी। मंगलवार से नामांकन भरने का काम भी शुरू हो गया है और अगले मंगलवार ९ अप्रैल को ही नामांकन भरने की आखिरी तारीख है। महाराष्ट्र की ४८ सीटों के लिए सभी राजनीतिक दलों ने लगभग अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। चंद सीटें बाकी है जिसमें उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा से भाजपा ने किसी को उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

भाजपा रिस्क नहीं लेंगी

भाजपा के वर्तमान सांसद किरीट सोमैया को लेकर मामला नहीं बन पा रहा है। शिवसेना ने सोमैया को पूरी तरह से नकार दिया है। चुनौती भी दे दी है कि सोमैया को टिकट दिया गया तो सोमैया का काम नहीं करेंगे, उल्टे सोमैया के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा करेंगे। शिवसेना के विरोध को देखते हुए भाजपा किसी तरह का कोई रिस्क लेने को तैयार नहीं है। माना जा रहा है कि पार्टी प्रकाश मेहता या फिर मनोज कोटक के नामों पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री के करीबी है कोटक

मनोज कोटक मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं। पार्टी सूत्र बताते है कि मुख्यमंत्री कोटक के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। इससे पहले मुख्मयंत्री ने कोटक को दो बार विधान परिषद भेजने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, भाजपा पार्टी हाईकमान प्रकाश मेहता के नाम पर विचार कर रहा है क्योंकि मेहता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के करीबी है।

इन दोनों के नाम पर शिवसेना का काई विरोध नहीं है। माना जा रहा है कि इन दोनों में से किसी एक को पार्टी उम्मीदवार घोषित कर सकती है। ऐसे में सवाल यह है कि सोमैया का क्या होगा.

अंधेरी पश्चिम और वर्सोवा विधानसभा में हैं काफी मुस्लिम, पूरे क्षेत्र में हैं करीब २१% मुस्लिम वोट

मुबंई: उत्तर पश्चिम सीट से चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस उम्मीदवार संजय निरुपम के लिए मुस्लिम मतदाता अहम फैक्टर साबित होंगे। हालांकि, अंधेरी (पश्चिम) और वर्सोवा की मुस्लिम बाहुल विधानसभा सीटों पर निरुपम पूर्व विधायकों पर ज्यादा भरोसा दिखा रहे हैं, जबकि वहां दमदार मुस्लिम चेहरे पार्टी में मौजूद हैं। अंधेरी (पश्चिम) में स्टेशन के आसपास से लेकर जुहू गल्ली तक का इलाका मुस्लिम बाहुल है। इस विधानसभा

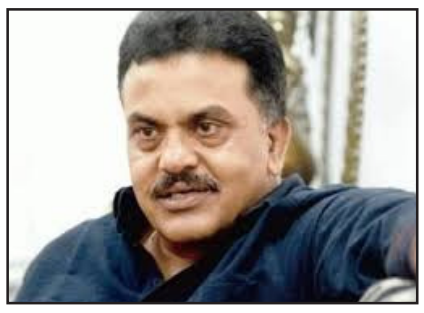

में २८ फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। जबकि जबकि वर्सोवा विधानसभा में ३७ प्रतिशत मुस्लिम हैं। इनमें बेहरामबाग, मिल्लत नगर इत्यादि इलाके आते हैं। बीएमसी के चुनावों में अंधेरी (पश्चिम) की सीट से स्थानीय नेता मोहसिन हैदर की पत्नी ने चुनाव बड़े अंतर से जीता है, जबकि टिकट न मिलने से नाराज होकर पार्टी छोड़ने वाले चंगेज मुल्तानी ने निर्दलीय बाजी मारी थी। बाद में जाति प्रमाणपत्र अवैध होने से मुलतानी की सदस्यता रद्द हो गई और दूसरे नंबर पर रहे शिवसेना के राजू पेडणेकर नगरसेवक चुने गए। मुलतानी फिर लौटकर कांग्रेस में आ चुके हैं, लेकिन मुलतानी और निरुपम के करीबी फिरोज शाह का बैर जग जाहिर है। कांग्रेस का टिकट मिलने के बावजूद फिरोज तीसरे स्थान पर रहे थे। लोकसभा चुनावों में मुलतानी और हैदर को अब तक कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं मिली है जबकि दोनों का ग्राउंड नेटवर्क बेहद तगड़ा है। एक नेता ने बताया कि दोनों विधानसभा के दावेदार हैं। लोकल समीकरण को संतुलित कर काम सौंपा जाएगा। अभी पूर्व विधायक बलदेव खोसा और अशोक जाधव को क्रमशः वर्सोवा और अंधेरी (पश्चिम) की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों पुराने कांग्रेसी वापस टिकट की जुगाड़ में हैं।

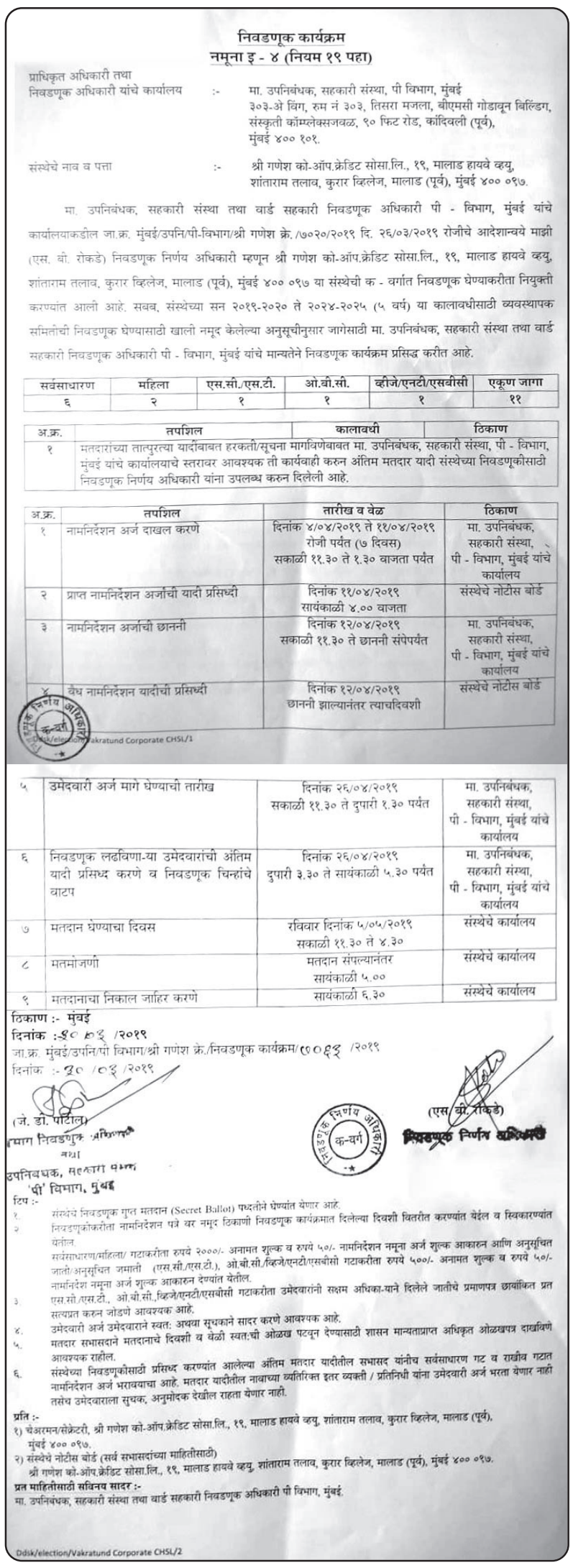

निवडणूक कार्यक्रम
नमूना इ - ४ (नियम १९ पहा)

प्राधिकृत अधिकारी तथा निवडणूक अधिकारी यांचे कार्यालय :- मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था, पी विभाग, मुंबई ३०३-ए विंग, रुम नं ३०३, तिसरा मजला, बीएमसी गोडावून बिल्डिंग, संस्कृती कॉम्प्लेक्सजवळ, ९० फिट रोड, कांदिवली (पूर्व), मुंबई ४०० १०१.

संस्थेचे नाव व पत्ता :- श्री गणेश को-ऑप.क्रेडिट सोसा.लि., १९, मालाड हायवे व्हयु, शांताराम तलाव, कुरार व्हिलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई ४०० ०९७.

मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था तथा वार्ड सहकारी निवडणूक अधिकारी पी - विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयाकडील जा.क्र. मुंबई/उपनि/पी-विभाग/श्री गणेश क्रे./७०२०/२०१९ दि. २६/०३/२०१९ रोजीचे आदेशान्वये माझी (एस. वी. रोकडे) निवडणूक निर्णय अधिकारी म्हणून श्री गणेश को-ऑप.क्रेडिट सोसा.लि., १९, मालाड हायवे व्हयु, शांताराम तलाव, कुरार व्हिलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई ४०० ०९७ या संस्थेची क - वर्गात निवडणूक घेण्याकरीता नियुक्ती करण्यांत आली आहे. सबब, संस्थेच्या सन २०१९-२०२० ते २०२४-२०२५ (५ वर्ष) या कालावधीसाठी व्यवस्थापक समितीची निवडणूक घेण्यासाठी खाली नमूद केलेल्या अनुसूचीनुसार जागेसाठी मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था तथा वार्ड सहकारी निवडणूक अधिकारी पी - विभाग, मुंबई यांचे मान्यतेने निवडणूक कार्यक्रम प्रसिद्ध करीत आहे.

सर्वसाधारण	महिला	एस.सी./एस.टी.	ओ.बी.सी.	व्हीजे/एनटी/एसबीसी	एकूण जागा
६	२	१	१	१	११

अ.क्र.	तपशिल	कालावधी	ठिकाण
१	मतदारांच्या तात्पुरत्या यादीबाबत हरकती/सूचना मागविणेबाबत मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था, पी - विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयाचे स्तरावर आवश्यक ती कार्यवाही करुन अंतिम मतदार यादी संस्थेच्या निवडणूकीसाठी निवडणूक निर्णय अधिकारी यांना उपलब्ध करुन दिलेली आहे.		

अ.क्र.	तपशिल	तारीख व वेळ	ठिकाण
१	नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे	दिनांक ४/०४/२०१९ ते ११/०४/२०१९ रोजी पर्यंत (७ दिवस) सकाळी ११.३० ते १.३० वाजता पर्यंत	मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था, पी - विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय
२	प्राप्त नामनिर्देशन अर्जाची यादी प्रसिध्दी	दिनांक ११/०४/२०१९ सायंकाळी ४.०० वाजता	संस्थेचे नोटीस बोर्ड
३	नामनिर्देशन अर्जाची छाननी	दिनांक १२/०४/२०१९ सकाळी ११.३० ते छाननी संपेपर्यंत	मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था, पी - विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय
४	वैध नामनिर्देशन यादीची प्रसिध्दी	दिनांक १२/०४/२०१९ छाननी झाल्यानंतर त्याचदिवशी	संस्थेचे नोटीस बोर्ड
५	उमेदवारी अर्ज मागे घेण्याची तारीख	दिनांक २६/०४/२०१९ सकाळी ११.३० ते दुपारी १.३० पर्यंत	मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था, पी - विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय
६	निवडणूक लढविणा-या उमेदवारांची अंतिम यादी प्रसिध्द करणे व निवडणूक चिन्हांचे वाटप	दिनांक २६/०४/२०१९ दुपारी ३.३० ते सायंकाळी ५.३० पर्यंत	मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था, पी - विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय
७	मतदान घेण्याचा दिवस	रविवार दिनांक ५/०५/२०१९ सकाळी ११.३० ते ४.३०	संस्थेचे कार्यालय
८	मतमोजणी	मतदान संपल्यानंतर सायंकाळी ५.००	संस्थेचे कार्यालय
९	मतदानाचा निकाल जाहिर करणे	सायंकाळी ६.३०	संस्थेचे कार्यालय

ठिकाण :- मुंबई
दिनांक :- ३० /०३ /२०१९
जा.क्र. मुंबई/उपनि/पी विभाग/श्री गणेश क्रे./निवडणूक कार्यक्रम/९०९३ /२०१९
दिनांक :- ३० /०३ /२०१९

(जे. डी. पाटील)
विभाग निवडणूक अधिकारी
तथा
उपनिबंधक, सहकारी संस्था
'पी' विभाग, मुंबई

(एस. वी. रोकडे)
निवडणूक निर्णय अधिकारी

टिप :-
१. संस्थेचे निवडणूक गुप्त मतदान (Secret Ballot) पध्दतीने घेण्यांत येणार आहे.
२. निवडणूकीकरीता नामनिर्देशन पत्रे वर नमूद ठिकाणी निवडणूक कार्यक्रमात दिलेल्या दिवशी वितरीत करण्यांत येईल व स्विकारण्यांत येतील.
सर्वसाधारण/महिला/ सटाकरीता रुपये २०००/- अनामत शुल्क व रुपये ५०/- नामनिर्देशन नमूना अर्ज शुल्क आकारुन आणि अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमाती (एस.सी./एस.टी.), ओ.बी.सी./व्हिजे/एनटी/एसबीसी गटाकरीता रुपये ५००/- अनामत शुल्क व रुपये ५०/- नामनिर्देश नमूना अर्ज शुल्क आकारुन देण्यांत येतील.
३. एस.सी./एस.टी., ओ.बी.सी./व्हिजे/एनटी/एसबीसी गटाकरीता उमेदवारांनी सक्षम अधिका-याने दिलेले जातीचे प्रमाणपत्र छायांकित प्रत सत्यप्रत करुन जोडणे आवश्यक आहे.
४. उमेदवारी अर्ज उमेदवाराने स्वत: अथवा सूचकाने सादर करणे आवश्यक आहे.
५. मतदार सभासदाने मतदानाचे दिवशी व वेळी स्वत:ची ओळख पटवून देण्यासाठी शासन मान्यताप्राप्त अधिकृत ओळखपत्र दाखविणे आवश्यक राहील.
६. संस्थेच्या निवडणूकीसाठी प्रसिध्द करण्यांत आलेल्या अंतिम मतदार यादीतील सभासद यांनीच सर्वसाधारण गट व राखीव गटात नामनिर्देशन अर्ज भरावयाचा आहे. मतदार यादीतील नावाच्या व्यतिरिक्त इतर व्यक्ती / प्रतिनिधी यांना उमेदवारी अर्ज भरता येणार नाही तसेच उमेदवाराला सूचक, अनुमोदक देखील राहता येणार नाही.

प्रति :-
१) चेअरमन/सेक्रेटरी, श्री गणेश को-ऑप.क्रेडिट सोसा.लि., १९, मालाड हायवे व्हयु, शांताराम तलाव, कुरार व्हिलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई ४०० ०९७.
२) संस्थेचे नोटीस बोर्ड (सर्व सभासदांच्या माहितीसाठी)
श्री गणेश को-ऑप.क्रेडिट सोसा.लि., १९, मालाड हायवे व्हयु, शांताराम तलाव, कुरार व्हिलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई ४०० ०९७.
प्रत माहितीसाठी सविनय सादर :-
मा. उपनिबंधक, सहकारी संस्था तथा वार्ड सहकारी निवडणूक अधिकारी पी विभाग, मुंबई.

Ddsk/election/Vakratund Corporate CHSL/2

मृत व्यक्ति की जानकारी

अज्ञात व्यक्ति (नाम पता ज्ञात नहीं) यह दि. २०-०३-२०१९ को सुबह ०७.२० बजे के दरम्यान माऊली ओमकार सोसायटी, सागर हाईट्स के बाजू में, त्रिवेणी नगर, कुरार गाव, मालाड पूर्व, मुंबई यहां पर अज्ञात व्यक्ति उम्र अंदाजन २५ से ३० वर्ष का मृतदेह बरामद किया गया। इस संबंध में अपमृत्यू मृत्यू नोंद कुरार पुलिस थाने द्वारा की गई है। इस अपमृत्यु प्रकरण में छानबीन चालू है। इस व्यक्ति के रिश्तेदारों के संबंध में रिश्तेदारों की अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। इस व्यक्ति की जानकारी व उसकी फोटो प्रसारीत करने की विनंती कुरार पोलिस थाने की तरफ से की गई है।

अधिक जानकारी के लिए कुरार पोलिस थाने ०२२-२८४०२९११ पोउनि. एल. जी. थाटे ८६५२१३१७३२. से संपर्क किया जा सकता है। मृत व्यक्ति का वर्णन : रंग सांवला, नाक-आकूड, उंचाई- ५ फुट ४ इंच, बाल - काले, मूछ-छोटी, दात-शाबुत, शरीर-सडपातळ.

स्कूल बसों का बढ़ेगा किराया

मुंबई : आगामी शैक्षणिक वर्ष में बच्चों को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। स्कूल बस ओनर असोसिएशन ने स्कूल बस किराए में १० से १५ प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। नए सरकारी नियम, डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों का हवाला देते हुए असोसिएशन ने किराया बढ़ाया है। बच्चों को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को अब हर महीने १०० से १२० रुपये अधिक चुकाने होंगे। मुंबई में प्रवेश के लिए टोल नाकों का इस्तेमाल करने वाली बसें विद्यार्थियों से ३०० से ३२० रुपये अतिरिक्त फीस वसूलेंगी। मौजूदा समय में १००० रुपये से १८०० रुपये प्रति माह तक बस फीस चुकानी पड़ती है।

गड्ढे वाली सड़क पर नहीं चलेगी बस:

असोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गर्ग के अनुसार, मॉनसून के दौरान सड़कों पर होने वाले गड्ढों की वजह से बसों को नुकसान पहुंचता है। कमाई का अधिकांश पैसा बस के रखरखाव पर ही खर्च हो जाता है। असोसिएशन ने शैक्षणिक वर्ष २०१९-२० से गड्ढों वाली सड़कों पर बस नहीं चलाने का फैसला लिया है।

अवैध बसों का बढ़ा कारोबार

महानगर में अवैध स्कूल बसों और टेंपो के बढ़ते कारोबार की वजह से स्कूल बस से जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में लगातार कमी हो रही है। बस असोसिएशन के अनुसार, अवैध गाड़ियों का किराया कम होने की वजह से अभिभावक भी छात्रों की सुरक्षा की अनदेखी कर बच्चों को अवैध बस से स्कूल भेज रहे हैं। कानून होने के बावजूद आरटीओ अधिकारी अवैध बसों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जबकि लाइसेंस फीस चुकाकर चलाई जा रही वैध बसों को सेफ्टी पॉलिसी के नाम पर सीसीटीवी कैमरा, जीपीआरएस सिस्टम व अन्य महंगे उपकरण लगाने को कहा जा रहा है।

पाइप लाइन प्रभावितों को मिलेगा १५,००० रुपये किराया

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार को उन लोगों को १५,००० रुपये प्रतिमाह किराया देने का निर्देश दिया जो अहम पानी पाइपलाइन के समीप अपने निवास को ध्वस्त कर दिए जाने के बाद बेघर हो गए हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) उच्च न्यायालय के पिछले आदेश का पालन करते हुए तानसा पानी पाइपलाइन से लगे घरों को तोड़ रही है, जिनमें आवासीय एवं वाणिज्यिक भवन भी हैं। यह पाइपलाइन शहर के नौ वार्डों से गुजरती है। सरकार ने विस्थापित लोगों को महानगर के उपनगरीय क्षेत्र के माहुल गांव में ठहराने का फैसला किया था, लेकिन उनमें से कुछ ने समीप की तेल रिफाइनरियों से बहुत अधिक वायु प्रदूषण होने का हवाला देते हुए वहां जाने से इनकार कर दिया था। तोड़फोड़ कार्रवाई के दौरान ७,००० परिवार प्रभावित हुए हैं लेकिन उनमें से केवल २२५ परिवार ही मुंबई के पूर्वी हिस्से में औद्योगिक क्षेत्र माहुल गए। न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति एम.एस. संकलेचा की खंडपीठ ने बुधवार को कहा कि सरकार किसी भी व्यक्ति को प्रदूषित क्षेत्र में रहने के लिए बाध्य नहीं कर सकती है। पीठ ने कहा कि चूंकि ये लोग खाली कराए गए हैं और यदि उनका सही भावना से पुनर्वास नहीं कराया जाता है तो इससे संविधान प्रदत्त अधिकारों पर असर पड़ेगा।

वसई-विरार में है गुंडाराज: उद्धव ठाकरे

वसई-विरार : उद्धव ठाकरे ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर कहा कि वह अलगाववादियों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टी को चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होना चाहिए, जो देशद्रोह का कानून हटाने की बात करती है। उद्धव ने दोपहर साढ़े ११ बजे मुंबई-अहमदाबाद हाइवे के बाफाने गांव से दौरे की शुरुआत की। उनके साथ शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, रवींद्र फाटक, भाजपा नेता रवींद्र चव्हाण, पालघर लोकसभा उम्मीदवार राजेंद्र गावित मौजूद थे।

सुरेंद्र नेगी, पालघर: शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने दोदिवसीय पालघर दौरे के दौरान पहले दिन मंगलवार को वसई-विरार में लोगों से मुलाकात की। पर, इस दौरे में कोई चुनावी रंग नहीं दिखा। पार्टी में नाराजगी की वजह से उत्साह ठंडा नजर आया, हालांकि विरोधी पार्टियों पर उद्धव ठाकरे ने जमकर तंज कसे। ठाकरे ने हितेंद्र ठाकुर की स्थानीय पार्टी बहुजन विकास आघाड़ी (बविआ) पर जमकर वार किए। उन्होंने कहा कि वसई-विरार में गुंडाराज है। हमारी जीत के बाद यहां गुंडाराज खत्म हो जाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

ब्रिज हादसे में BMC इंजिनियर गिरफ्तार

मुंबई: सीएसएमटी ब्रिज हादसा मामला में आजाद मैदान पुलिस ने सोमवार को बीएमसी में कार्यरत एक असिस्टेंट इंजिनियर को गिरफ्तार किया है। आरोपी इंजिनियर का नाम एस. एफ. काकुल्टे है। इस मामले में बीएमसी में कार्यरत किसी अधिकारी की यह पहली गिरफ्तारी है। इससे पहले नीरज देसाई को गिरफ्तार किया गया था। इसकी पुष्टि मुंबई पुलिस जोन वन के डीसीपी अभिषेक त्रिमुखे ने की है।

बिना सब्सिडी LPG ५ रुपये महंगी

बिना सब्सिडी वाले १४.२ किलो के रसोई गैस (LPG) सिलिंडर का दाम पांच रुपये बढ़ गया है। अब यह सिलिंडर ७०६.५० रुपये में मिलेगा। इससे पहले १ मार्च को ४२.५ रुपये रेट बढ़े थे। विमानों के तेल (ATF) के दाम भी १% बढ़े हैं। इससे एयरलाइंस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

शहाड में हथियार बरामद

उल्हासनगर : लोकसभा चुनाव के पहले जारी अलर्ट के दौरान क्राइम ब्रांच ने शहद स्टेशन परिसर से गोविंद अर्जुन सिंह भदौरिया (२६) नामक युवक से तलाशी के दौरान १ पिस्टल, २ देशी कट्टा, ३ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। भदौरिया मूल रूप से मध्यप्रदेश का रहने वाला है और शांतिनगर कैंप-३ में रहता है।

आयोग से 'नमो चैनल' की शिकायत

नई दिल्ली : आप और कांग्रेस ने चुनाव आयोग नमो टीवी के खिलाफ शिकायत दी है। चुनाव आयोग को लिखे लेटर में कहा गया है कि जब आचार संहिता लागू है, तब एक राजनीतिक दल को कैसे चैनल चलाने की इजाजत दी जा सकती है। इस चैनल के प्रसारण पर तुरंत रोक लगाई जाए। पार्टी ने चैनल का नाम 'नमो' पर रखे जाने का हवाला देते हुए कहा है कि अगर आयोग की अनुमति के बिना नमो चैनल शुरू किया गया है तो इस पर आयोग ने क्या कार्रवाई की.

कचरा ठेकेदारों की 'झोलबाजी' बंद

मुंबई : मुंबई में इकट्ठा होनेवाला कचरा डंपिंग ग्राउंड तक पहुंचाने में ठेकेदारों द्वारा की जानेवाली 'झोलबाजी' अब बंद होगी। डंपिंग ग्राउंड में आनेवाले और बाहर जानेवाले कचरा वाहनों पर नजर रखने के लिए 'वेइंग ब्रिज' प्रणाली में और पारदर्शिता लाने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर अमल में लाई जाएगी। बता दें कि मुंबई शहर और उपनगरों में रोजाना जमा होनेवाला कचरा डंपिंग ग्राउंड पर वाहनों के मार्फत लाया जाता है। कचरा ढुलाई करनेवाले वाहनों के ठेकेदारों द्वारा वजन में गड़बड़ी करने का आरोप कई बार नगरसेवक लगा चुके हैं। कचरे की बजाय डेंब्रिज की ढुलाई करते हुए भी ठेकेदारों को रंगेहाथ पकड़ा जा चुका है। कचरा डंपिंग में डंप करने से पहले और डंप करने के बाद वाहनों का वजन 'वेइंग ब्रिज' की मदद से किया जाता है. जिससे वाहनों में कचरा का वजन निश्चित किया जाता है।

सीमेंट गोदाम से भारी मात्रा में कैश बरामद, बोरों में भरी थीं नोटें

तमिलनाडु : आयकर अधिकारियों ने तमिलनाडु के वेल्लूर जिले में एक सीमेंट गोदाम से करोड़ों रूपयों की नकदी बरामद बरामद करने में सफलता हासिल की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यह गोदाम द्रमुक के एक नेता का है। जब्ती की यह घटना ऐसे समय में हुई है जबकि १८ अप्रैल को राज्य में लोकसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाने हैं। उन्होंने बताया कि इस नकदी को क्षेत्रवार ढंग से बांटने के लिए गत्ते के डिब्बों और थैलियों में भर कर रखा गया था। यह छापा द्रमुक कोषाध्यक्ष दुरैमुरूगन के वेल्लोर स्थित परिसर पर छापेमारी में साढ़े दस लाख रूपये बरामद करने के कुछ दिनों के बाद मारा गया। सूत्रों ने बताया कि जब्त नकदी की गिनती की जा रही है और अन्य विवरणों का बाद में पता चल सकेगा।उन्होंने बताया कि यह नकदी संभवतया उस एक कॉलेज से यहां लाई गई है, जहां ३० मार्च को छापा मारा गया था।

कार्य सम्राट नगरसेवक मलाड सहकारी बैंक के चेयरमैन विनोद मिश्रा के उत्तर विभाग समिति का अध्यक्ष बनाए जाने पर मेट्रो दिनांक परिवार की तरफ से बहुत-बहुत शुभेच्छा.

५१ हजार किलो प्लास्टिक का क्या करेगी बीएमसी

मुंबई: बीएमसी ने ५१,००० किलो प्लास्टिक जब्त तो कर लिया, पर अब इसका क्या किया जाए/ बीएमसी के सामने इस समय यही सबसे बड़ा सवाल है। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) द्वारा रजिस्टर्ड ठेकेदार को यह सुपुर्द किया जाना था। इसके लिए दूसरी बार टेंडर निकाला गया, पर किसी ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। बीएमसी अब दूसरे राज्य के ठेकेदारों की ओर निगाहें लगाए हुए है।

मार्केट विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हम टेंडर शर्तों को आसान बनाने जा रहे हैं, जिससे दूसरे राज्य के रजिस्टर्ड ठेकेदार भी इसमें हिस्सा ले सकें। महाराष्ट्र में प्लास्टिक बैन का एक बड़ा नुकसान यह हुआ है कि यहां वैज्ञानिक तरीके से प्लास्टिक नष्ट करने वाली कई कंपनियां बंद हो चुकी हैं।

बीएमसी प्लास्टिक जब्त करने के बाद उसे गोदाम में सील करके रखती है। इस प्लास्टिक को केवल रजिस्टर्ड ठेकेदार को ही दिया जाएगा, जिससे इसका दुरुपयोग न हो। जून, २०१८ से महाराष्ट्र में प्लास्टिक पर पूरी तरह से बैन लग गया है। ९ महीने में प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए बनी विशेष टीम ने मुंबई में ६ लाख से ज्यादा दुकानों का दौरा कर बैन प्लास्टिक के साथ २.५ करोड़ रुपये जुर्माना भी वसूला है।

उर्मिला से करिश्मे की है उम्मीद!

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई । २०१९ लोकसभा चुनाव में सपनों का शहर मुंबई से बड़ी जीत के साथ कॉंग्रेस भी दिल्ली की सत्ता का ख्वाब संजोए हुए है, यही वजह है कि उत्तर मुंबई लोकसभा सीट पर बीजेपी उम्मीदवार गोपाल शेट्टी के सामने मजबूत उम्मीदवार नही मिलने पर कॉंग्रेस ने एक बार फिर ग्लैमर का सहारा लिया है। कॉंग्रेस ने यहां से बॉलीवुड अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर को अपना उम्मीदवार बनाया है।

उर्मिला के आने से इस सीट की चर्चा और बढ़ गई है। दरअसल उत्तर मुंबई लोकसभा सीट शुरू से ही हॉट सीट में शुमार रही है। यहां दिग्गज नेता हमेशा से ही चुनाव लड़ते रहे हैं और ग्लैमर का भी खूब तड़का लग चुका है। २००४के लोकसभा चुनाव में एक तरफ बीजेपी के दिग्गज नेता राम नाईक मैदान में थे, तो

कॉंग्रेस ने उनके सामने बॉलीवुड के सुपर स्टार गोविंदा पर दांव खेला था। गोविंदा की लोकप्रियता काम आयी और कॉंग्रेस इस सीट पर जीत गई थी, इस बार कॉंग्रेस को उर्मिला से भी इसी तरह के करिश्मे की उम्मीद है। पिछले २०१४ के लोकसभा चुनाव की बात करें तो यहाँ बीजेपी के उम्मीदवार गोपाल शेट्टी ने कॉंग्रेस उम्मीदवार संजय निरुपम को करीब साढे चार लाख वोटों के अंतर से पटखनी दी थी। इस बार भी गोपाल शेट्टी यहां के मजबूत दावेदार के रूप में देखे जा रहे हैं। हालांकि इस बार कॉंग्रेस ने यहां ग्लैमर का तड़का लगा दिया है। इससे इस सीट पर इस बार चुनाव कांटे का होना तय है।

१९८९ से १९९९ तक इस सीट पर बीजेपी के राम नाईक का कब्जा रहा। २००४ में कॉंग्रेस ने गोविंदा पर दांव चला और सीट पार्टी के हिस्से में आ गई। इसके बाद २००९ में फिर कॉंग्रेस के संजय निरुपम इस सीट से जीत गए, परंतु २०१४ के मोदी लहर में यह सीट फिर बीजेपी के पास आ गई और गोपाल शेट्टी सांसद बन गए।

गणितीय वोटों का अनुमान ये है कि उत्तर मुंबई लोकसभा चुनाव में मतदाताओं का पलायन तेजी से बढ़ा है, जो बीजेपी खेमे के लिए चिंता का कारण है। सन् २०१४ के लोकसभा चुनाव में कुल १७,८३,६४१ मतदाता थे। जो ३१ जनवरी २०१९ में घटकर १६ लाख ७ हजार २६५ रह गए हैं। यानी कि १,७६,३७६ मतदाताओं का अचानक ही कम हो जाना चिंता का विषय है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव क्षेत्र से बाहर जाने वाले ज्यादातर मतदाता बीजेपी के ही हैं।

उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

शिवसेना, कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकता है सपा बसपा आघाड़ी

दीनानाथ तिवारी

मुंबई । मुंबई की उत्तर पश्चिम पर आसानी से जीत का मंसूबा लिए पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष राकांपा कांग्रेस प्रत्याशी संजय निरूपम और शिवसेना भाजपा प्रत्याशी गजानन कीर्तिकर के बीच अब तक जंगी मुकाबला होने का अनुमान लगाया जा रहा था ।लेकिन अब सपा बसपा से मैदान में सुभाष पासी के चुनाव में कूद जाने से दोनो प्रत्याशियों की चूलें हिलती नजर आ रही हैं । वहीं वंचित आघाड़ी भी पूरे जोश खरोश के साथ मैदान में इस बार उतरी है । जो तीनो के बीच मत विभाजन करने में कामयाब हो सकती है।

गौरतलब है कि श्रमिक वर्ग की उत्तर भारतीय बहुल और दलित बहुल सीट होने के चलते उत्तर मध्य सीट छोड़ कर संजय निरूपम ने उत्तर पश्चिम सीट का चुनाव किया था। उन्हें भरोसा भी था कि मैं गजानन कीर्तिकर को बड़ी आसानी से चुनाव में मात दे दूंगा। वहीं दूसरी तरफ गजानन कीर्तिकर इस सीट से अपनी जीत का दावा पहले ही ठोंक कर पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरे हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि लोकसभा चुनाव २०१४ की तरह अब भी मोदी लहर कायम है । सामने कोई भी प्रत्याशी हो उसे हम आसानी से हरा देंगे ।लेकिन वंचित आघाड़ी पुरस्कृत उम्मीदवार और सपा बसपा उम्मीदवार सुभाष पासी के मैदान में उतर जाने से भाजपा शिवसेना और राकांपा कांग्रेस का चुनावी समीकरण गड़बड़ा गया है ।

बता दें कि मुंबई की राजनीति में और स्थानीय लोगों में अच्छी पैठ रखने वाले सपा बसपा आघाड़ी प्रत्याशी सुभाष पासी का नाम किसी के पहचान का मोहताज नहीं है । आज से २५ साल पहले की मुंबई की राजनीति में सुभाष पासी के राजनैतिक क्रियाकलापों पर नज़र

सुभाष पासी
सपा बसपा उम्मीदवार

दौड़ायें तो कांग्रेस के एनएसयूआई से यूथ कांग्रेस बेसिक तक सभी पदों पर रहते हुए सुभाष पासी ने सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में समाज सेवा का कार्य किया है और अपनी एक अलग छवि मुंबईकरों के बीच स्थापित करने में सफल रहें हैं ।

हालांकि की उत्तर भारतीय ही नहीं अन्य भाषाई लोगों में अच्छी पैठ रखने वाले सुभाष पासी के सिर पर इन २५ वर्षो के दौरान बड़े बड़े नेताओं का हाथ रहा है, लेकिन जब जब विधानसभा टिकट के मांगने की बात वरिष्ठ नेताओं के सामने पासी द्वारा रखा गया तब तब पासी को आश्वासन देने के बावजूद नेताओं ने हर बार उन्हें छलने का कार्य किया, ऐसा आरोप भी पासी द्वारा अपने वरिष्ठों पर लगाया जाता रहा है । ऐसा ही एक वाकया २००४ के कारपोरेशन इलेक्शन में जब सुभाष पासी के लिए उत्तर भारतीयों ने जोगेश्वरी वेस्ट के बहराम बाग सीट से कारपोरेशन टिकट देने की मांग की और जीताकर कार्पोरेशन में भेजने का मंसूबा बनाया तो वर्तमान कांग्रेस से स्थानीय विधायक बलदेव खोसा ने विरोधी रूख अख्तियार किया और पासी का टिकट कांग्रेस ने काट दिया । वजह चाहें जो भी रही हो लेकिन बलदेव खोसा को शायद यह डर सता रहा था कि यदि पासी को यहां से टिकट मिला और वह जीत गया तो आगे वह भविष्य में यहां से विधायक के टिकट की मांग करने से नहीं चूकेगा।पूर्व विधायक बल्देव खोसा को पक्का यकीन था कि पासी चुनाव में जीत जायेगा ।उन्हें डर सताने लगा कि सुभाष पासी चुनाव हारेगा नहीं। उस इलेक्शन में बलदेव खोसा ने सुभाष पासी का टिकट कटवा दिया ।सुभाष पासी को टिकट नहीं दिये जाने के बाद सारे उत्तर भारतीय समाज ने कैंडल मार्च निकाल कर रोड पर उतर गए । नतीजा यह हुआ कि उस चुनाव में. वार्ड क्रमांक ६१, ६२ , ६३ , ६४ की सीट कांग्रेस के हाथ से निकल गई और शिव सेना ने भारी मतों से विजय प्राप्त किया ।उसके बाद उत्तर भारतीयों ने बगावत रुख अपनाया और सुभाष पासी के ऊपर पार्टी छोड़ने का दबाव बनाया । यहां यह भी बतादें कि जब यह खबर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव तक पहुंची तो अखिलेश यादव ने सुभाष पासी को लखनऊ बुलाकर मुलाकात की और रातों-रात सुभाष पासी को उत्तर प्रदेश से गाजीपुर जिला से सैदपुर की सुरक्षित सीट से टिकट देने का ऐलान किया ।२००९ के आम चुनाव में सुभाष पासी को उत्तर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया और हाईएस्ट मार्जिन से जीतने वाले नेता के रूप में स्थापित हुए। वह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी अमेरिका राम को ४८००० मतों से परास्त किया । उसके बाद उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार में एससी एसटी का प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पार्टी द्वारा बनाया गया। उनके कार्यो को देखते हुए दूसरी बार अखिलेश यादव ने उनके ऊपर भरोसा जताया। मोदी की लहर में उन्हें मैदान में गाजीपुर की सीट से फिर उम्मीदवार बनाया । सारी सीटे भाजपा के पाले में गई लेकिन सुभाष पासी अपनी सीट जीतने में कामयाब हुए और वह अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के प्रदेश महासचिव १०,००० से अधिक मतों से परास्त किया ।एक बार फिर सुभाष पासी पर भरोसा जताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष. अखिलेश यादव, बहुजन समाज पार्टी ने मुंबई की सबसे हॉट सीट कही जाने वाली उत्तर पश्चिम से गठबंधन का प्रत्याशी बनाकर लोकसभा के मैदान में उतार दिया है।

सुभाष पासी के मैदान में आने से जहां शिवसेना के गजानन कीर्तिकर और मुंबई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद संजय निरुपम की रात की नींद हराम हुई है।सबसे ज्यादा परेशान संजय निरुपम दिख रहे हैं क्योंकि सुभाष पासी की उत्तर भारतीयों में बहुत बड़ी पकड़ मानी जाती है ।सुभाष पासी मुंबई के अंदर पूर्वांचल के किसी भी जाति विशेष के लोगों की मृत बॉडी को फ्लाइट से यूपी उसके घरों तक पहुंचाने का कार्य लगातार करते रहे हैं ,जिससे उत्तर भारतीयों में इनकी लोकप्रियता कम करके नहीं आंका जा सकता । कयास यह लगाया जा रहा है कि यदि संजय निरूपम को नकार यदि उत्तर भारतीय समाज वन साइड सुभाष पासी की तरफ झुके तो निश्चित ही लोकसभा पहुंचने से कोई नहीं रोक पायेगा ऐसी चर्चा उत्तर भारतीय मतदाताओं में हो रही है।वहीं वंचित आघाड़ी भी इस बार मराठी और मुस्लिम मतदाताओं के साथ उत्तर भारतीय मतदाताओं को अपनी तरफ लाने का भरपूर प्रयासरत है । सफलता किसको मिलेगा यह कहना बड़ा ही मुस्किल है । अब मतदाता ही यह तय करेंगे कि किसे यहां से ताज पहनने हैं।

सुरेंद्र दुबे (पत्रकार)

उत्तर भारतीयों को सबसे ज्यादा हिस्सेदारी भाजपा ने दी-आशीष शेलार

लोकसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है प्रचार की रफ्तार तेज होने लगी है। भाजपा, शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा के लोग सक्रिय हो गए हैं। चुनाव लड़ने वाले चेहरे भी सामने आ गए हैं, लेकिन भाजपा खेमे में कुछ ज्यादा ही उत्साह दिखाई दे रहा है। उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है फिर भी वहां पर चुनाव प्रचार जोरों पर है। मुंबई में लोकसभा के लिए मतदान २९ अप्रैल को है। मुंबई की कमान थाम रखने वाले भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार से बात की। पेश है उसके प्रमुख मुद्दे:-

इस चुनाव में कांग्रेस-राकांपा पूरी तरह से बिखरी हुई है। उनके गठबंधन में गांठ है, जबकि हमारा (भाजपा-शिवसेना का) गठबंधन मजबूत है। चुनाव प्रचार के लिए उनके पास कार्यकर्ता नहीं हैं, लेकिन हमारे यहां सब मिलकर काम कर रहे हैं। निश्चित ही इस चुनाव में भी मुंबई की सभी छह सीटों पर भाजपा-शिवसेना के उम्मीदवारों की जीत होगी।

कांग्रेस के पूर्व और वर्तमान मुंबई अध्यक्ष दोनों चुनाव लड़ रहे हैं, आप मुंबई भाजपा के अध्यक्ष हैं। पार्टी आपको चुनाव क्यों नहीं लड़ा रही.

उत्तर : कांग्रेस जो करती है, वही भाजपा भी करने लगे, ऐसा जरूरी नहीं है। कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। रही बात मेरे चुनाव न लड़ने की, तो साफ कर दूं कि हमारे यहां उम्मीदवार चयन की एक प्रक्रिया है। उसी के तहत उम्मीदवारों का चयन किया जाता है। पार्टी ने मजबूत लोगों को लोकसभा का टिकट दिया है और वे सभी चुनाव जीतकर एक बार फिर संसद में मुंबई की आवाज बुलंद करेंगे।

मुंबई से भाजपा ने एक भी हिंदीभाषी या उत्तर भारतीय को उम्मीदवारी नहीं दी। इसे लेकर उनमें नाराजगी है, आप क्या कहेंगे/.

उत्तर - मुंबई और महाराष्ट्र में उत्तर भारतीय और हिंदीभाषी समाज शत प्रतिशत भाजपा के साथ खड़ा है। फडणवीस सरकार के मंत्रिमंडल में उत्तर भारतीय मंत्री हैं और राज्य के अलग-अलग महामंडलों में भी उत्तर भारतीयों को स्थान दिया गया है। उत्तर भारतीयों को सत्ता में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी देने वाली एकमात्र पार्टी भाजपा ही है।

शिवसेना और भाजपा के बड़े नेताओं ने मिलकर युति कर ली, लेकिन निचले स्तर पर दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच मतभेद बरकरार हैं। चुनाव पर इसका कितना असर पड़ेगा/

उत्तर- भाजपा व शिवसेना का गठबंधन विचारधारा पर चलने वाला गठबंधन है। यह कैडर के साथ चलने वाले संगठन हैं। मुख्यमंत्री और उद्धव ठाकरे दोनों साथ मिलकर सार्वजनिक चुनावी सभाएं कर रहे हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी एक मंच पर बैठते हैं।

राज ठाकरे आपके करीबी मित्र हैं। उनके कार्यकर्ता और नेता कांग्रेस के उम्मीदवारों के साथ देखे जा रहे हैं, आप क्या कहना चाहते हैं/

उत्तर: जरूर, राज ठाकरे मेरे मित्र हैं, लेकिन यह राजनीतिक बात है। मैं देख रहा हूं राकांपा के नेता राज ठाकरे के मनसे का झंडा लगा रहे हैं। कांग्रेस का प्रचार शिवाजी पार्क में राज ठाकरे के लोग कर रहे हैं। यह सब हिंदीभाषी, उत्तर भारतीय समाज बहुत बारीकी से देख रहा है। कांग्रेस-राकांपा आघाडी शासन में जिन लोगों ने छुप-छुपकर उत्तर भारतीयों पर हमले किए, वहीं लोग राकांपा और कांग्रेस के लोगों के साथ चल रहे हैं। राज ठाकरे एक भी विधायक जिताकर नहीं ला सके, और चले हैं दूसरे को लोकसभा चुनाव जिताने। इससे बड़ी हास्यास्पद बात और क्या हो सकती है।

भाजपा का सारा दारोमदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर टिका है मुंबई का कॉस्मोपॉलिटन मतदाता उम्मीदवार की गुणवत्ता भी देखता है। ऐसे में पिछले ५ साल में उम्मीदवारों का रिपोर्ट कार्ड कितनी भूमिका निभाएगा/

उत्तर - लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा फिर से सरकार बनाएगी। स्पष्ट है कि हमारा नारा 'सबका साथ, सबका विकास' है। मोदी हैं तो सब है। भाजपा के कैंपेन का नेतृत्व मोदी जी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले पांच साल जिस तरह से सरकार चलाई है उसका समाज के हर वर्ग को फायदा हुआ है। उन्हीं मुद्दों को लेकर हम लोग जनता के बीच जा रहे हैं। हमारे सांसदों का रिपोर्ट कॉर्ड बेहतरीन रहा है।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के बारे में कहा जा रहा है कि वे बैक डोर से भाजपा के साथ है/

उत्तर - जो आदमी कांग्रेस के साथ है, मनसे के साथ है। वो कह रहा है कि भाजपा को वोट मत दो। अब ऐसे लोगों के साथ भाजपा का साथ कैसे हो सकता है। उनकी गलत नीतियों का पार्टी पूरा जवाब दे रही है।

चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में शेलार की एक न चली/

उत्तर - हमारी पार्टी में व्यक्तिगत किसी की कुछ चलती, उतरती नहीं है। सब एकत्रित होते हैं और निर्णय लेते हैं। अगर किसी को लगता है कि लोकसभा चुनाव में या टिकट बंटवारे में मेरी नहीं चली, तो इसमें ही मेरी भलाई है और मैं जनता की भावनाओं का आदर करता हूं।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com